an>

Title: Need to allow sale and purchase of camel milk in Rajasthan.

श्री चाँद नाथ (अलवर): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं सदन का ध्यान ऊंटों की घटती हुई संख्या के बारे में आकर्षित करना चाहता हूं। ऊंटों को पालने में बहुत खर्च होता है, जबकि ये अब यातायात के लिए बहुत कम काम में लिये जाते हैं। ऊंटनी के दूध को बेचने की भी मनाही है। असलियत में यह दूध मिठाई आदि बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। बीकानेर में स्थित नैशनल रिसर्च एंड केमिकल, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथारिटी ऑफ इंडिया को दूध बेचने के लिए वैध करार देने के बारे में लिखा है, परन्तु इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया। ऊंटनी का दूध विटामिन सी, जिंक तथा इन्सुलिन से भरपूर होता है। दुबई और अमेरिका में यह दूध पैकेटों में मिलता है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस दूध को क्रय व विक्रय के लिए वैध करार दिया जाये, ताकि राजस्थान का जहाज कहे जाने वाले ऊंटों की नस्ल खत्म होने से बचायी जा सके। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार।

माननीय अध्यक्ष :

सुश्री पी.पी.चौधरी,

अर्जुन राम मेघवाल और

डॉ रामशंकर कठेरिया जी अपने आपको श्री चाँदनाथ जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।